Turnitin Llc

पेपर-01 डॉ अनिवेद मिश्र

New Assignment 06/24/2026

Document Details

Submission ID
trn:oid:::3117:603061257

Submission Date
Jun 27, 2026, 10:27 PM GMT+5:30

Download Date
Jun 27, 2026, 10:28 PM GMT+5:30

File Name
पेपर-01 डॉ अनिवेद मिश्र.pdf

File Size
362.7 KB

14 Pages

3,642 Words

13,367 Characters

2% Overall Similarity

The combined total of all matches, including overlapping sources, for each database.

Filtered from the Report

- Bibliography
- Quoted Text
- Cited Text

Top Sources

1% Internet sources
1% Publications
2% Submitted works (Student Papers)

Top Sources

1% Internet sources
1% Publications
2% Submitted works (Student Papers)

Top Sources

The sources with the highest number of matches within the submission. Overlapping sources will not be displayed.

1 Publication
de Araújo, Cláudia Susana Rodrigues. "Ativismo Transnacional Pelos Direitos das ... <1%

2 Student papers
Bindura University of Science Education on 2026-06-02 <1%

3 Internet
core.ac.uk <1%

4 Internet
ariasmontano.uhu.es <1%

5 Publication
Bridgman, Aengus. "Studies in Digital Politics: Activism, Mobilization, and Misinfo... <1%

6 Internet
www.cambridge.org <1%

"युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया का प्रभाव"

डॉ. अनिवेद मिश्रा

शोध सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन "युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया का प्रभाव" विषय पर आधारित है। वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया युवाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर), व्हाट्सएप तथा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म केवल संचार के साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि वे सूचना प्रसार, जनमत निर्माण एवं राजनीतिक सहभागिता के प्रभावी माध्यम के रूप में भी उभरे हैं। इसी संदर्भ में यह अध्ययन युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करने के उद्देश्य से किया गया।

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्यों में युवाओं द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग का अध्ययन करना, राजनीतिक जागरूकता के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करना, राजनीतिक सहभागिता एवं राजनीतिक अभिव्यक्ति पर सोशल मीडिया के प्रभावों का मूल्यांकन करना तथा राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करना शामिल था। अध्ययन हेतु चार शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन की प्रकृति वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक रही। अध्ययन क्षेत्र के रूप में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का चयन किया गया। अध्ययन हेतु एक शासकीय विश्वविद्यालय (बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल) तथा एक निजी विश्वविद्यालय (भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल) का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि द्वारा किया गया। दोनों विश्वविद्यालयों से 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के सोशल मीडिया उपयोगकर्ता विद्यार्थियों का चयन सुविधाजनक निदर्शन विधि द्वारा किया गया। अध्ययन में कुल 300 उत्तरदाताओं को सम्मिलित किया गया। प्राथमिक तथ्यों के संकलन हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जबकि द्वितीयक तथ्यों का संकलन पुस्तकों, शोध पत्रों, पत्रिकाओं तथा इंटरनेट स्रोतों से किया गया।

अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश युवा राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। सोशल मीडिया ने युवाओं की राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता तथा राजनीतिक विचार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अध्ययन में यह पाया गया कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवा राजनीतिक समाचारों,

समसामयिक घटनाओं तथा सार्वजनिक मुद्दों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया राजनीतिक चर्चाओं में भागीदारी तथा राजनीतिक अभिव्यक्ति के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

सांख्यिकीय परीक्षणों के आधार पर अध्ययन की सभी शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत पाई गईं। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया और युवाओं की राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता तथा राजनीतिक विचार निर्माण के मध्य महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभावों के साथ-साथ फेक न्यूज, दुष्प्रचार एवं राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं।

समग्र रूप से अध्ययन यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली माध्यम के रूप में कार्य कर रहा है। अतः युवाओं में डिजिटल साक्षरता, तथ्यपरक राजनीतिक समझ एवं जिम्मेदार सोशल मीडिया उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

की-वर्ड्स: सोशल मीडिया, राजनीतिक चेतना, युवा, राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक समाजीकरण, लोकतंत्र।

प्रस्तावना

वर्तमान युग सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें इंटरनेट और सोशल मीडिया ने मानव जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। विशेष रूप से युवाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक तथा राजनीतिक दृष्टिकोणों के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप तथा अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म आज केवल मनोरंजन या संवाद के माध्यम नहीं रह गए हैं, बल्कि वे सूचना प्रसार, जनमत निर्माण तथा राजनीतिक सहभागिता के प्रभावी साधन के रूप में स्थापित हो चुके हैं।

भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है, जहाँ युवाओं की जनसंख्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोकतंत्र की सफलता नागरिकों की राजनीतिक चेतना, जागरूकता तथा सहभागिता पर निर्भर करती है। राजनीतिक चेतना से आशय व्यक्ति की राजनीतिक व्यवस्था, शासन प्रणाली, राजनीतिक अधिकारों, कर्तव्यों, नीतियों तथा समसामयिक राजनीतिक घटनाओं के प्रति समझ, जागरूकता एवं दृष्टिकोण से है। परंपरागत रूप से परिवार, विद्यालय, समाचार पत्र, रेडियो एवं टेलीविजन राजनीतिक समाजीकरण के प्रमुख माध्यम रहे

हैं, किन्तु डिजिटल क्रांति के परिणामस्वरूप सोशल मीडिया ने इन माध्यमों की भूमिका को व्यापक रूप से प्रभावित किया है।

सोशल मीडिया युवाओं को राजनीतिक सूचनाओं तक त्वरित पहुँच प्रदान करता है तथा उन्हें विभिन्न राजनीतिक विचारों, आंदोलनों, अभियानों एवं सार्वजनिक मुद्दों से जोड़ता है। इसके माध्यम से युवा न केवल राजनीतिक विषयों पर जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि अपने विचारों को अभिव्यक्त करने, चर्चाओं में भाग लेने तथा राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान देने के अवसर भी प्राप्त करते हैं। परिणामस्वरूप सोशल मीडिया राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक रुचि एवं नागरिक सहभागिता को बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

दूसरी ओर, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ अनेक चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। फेक न्यूज, दुष्प्रचार, राजनीतिक ध्रुवीकरण, भ्रामक सूचनाएँ तथा एल्गोरिदम आधारित सूचना प्रवाह युवाओं की राजनीतिक समझ एवं निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में यह जानना आवश्यक हो जाता है कि सोशल मीडिया वास्तव में युवाओं की राजनीतिक चेतना को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है तथा इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव क्या हैं।

इसी संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करने का प्रयास करता है। यह अध्ययन युवाओं की राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक दृष्टिकोण निर्माण तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी पर सोशल मीडिया के प्रभाव का मूल्यांकन करेगा। साथ ही यह अध्ययन समकालीन भारतीय समाज में डिजिटल मीडिया और राजनीति के अंतर्संबंधों को समझने में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगा।

शोध की आवश्यकता एवं महत्व

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया युवाओं के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। सूचना प्राप्त करने, विचार व्यक्त करने तथा सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए युवा वर्ग बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप युवाओं की राजनीतिक समझ, राजनीतिक दृष्टिकोण तथा राजनीतिक सहभागिता के स्वरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह जानना आवश्यक हो जाता है कि सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है।

यह अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की राजनीतिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र की सफलता का आधार मानी जाती है। सोशल

मीडिया राजनीतिक सूचनाओं के तीव्र प्रसार का माध्यम होने के साथ-साथ जनमत निर्माण का प्रभावी साधन भी बन गया है। वहीं दूसरी ओर फेक न्यूज, भ्रामक सूचनाएँ तथा राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ भी युवाओं की राजनीतिक सोच को प्रभावित कर रही हैं। अतः इन प्रभावों का वस्तुनिष्ठ अध्ययन समय की आवश्यकता है।

प्रस्तुत शोध युवाओं में राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका, उसकी उपयोगिता तथा उससे उत्पन्न चुनौतियों को समझने में सहायक होगा। साथ ही यह अध्ययन नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को युवाओं की राजनीतिक सहभागिता और जागरूकता को सुदृढ़ करने हेतु उपयोगी सुझाव प्रदान कर सकेगा। इस प्रकार यह शोध राजनीतिक विज्ञान तथा मीडिया अध्ययन दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखता है।

पूर्व साहित्य की समीक्षा

Das (2026) ने "Digital Democracy in India: Reconfiguring Political Participation in the Age of Social Media" विषय पर शोध अध्ययन किया। उन्होंने अपने शोध में पाया कि सोशल मीडिया ने भारत में राजनीतिक सहभागिता के स्वरूप को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों, विशेषकर युवाओं, को राजनीतिक चर्चाओं, जनमत निर्माण तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

Raj (2025) ने "Social Media and Political Awareness" विषय पर शोध अध्ययन किया। उन्होंने अपने शोध में पाया कि सोशल मीडिया युवाओं में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का दायरा विस्तृत हुआ है तथा युवाओं की राजनीतिक अभिरुचि और सहभागिता में वृद्धि हुई है, यद्यपि भ्रामक सूचनाओं एवं राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं।

Saxena (2025) ने "Youth, Social Media, and Political Participation: A Study on Digital Citizenship and Emerging Forms of Collective Action" विषय पर शोध अध्ययन किया। उन्होंने अपने शोध में पाया कि सोशल मीडिया युवाओं के लिए राजनीतिक संवाद, नागरिक सक्रियता तथा सामूहिक कार्रवाई का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। डिजिटल माध्यमों ने युवाओं की राजनीतिक भागीदारी एवं नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ किया है।

Hasniah (2025) ने "The Role of Social Media in Influencing Youth Political Behaviour: A Systematic Literature Review" विषय पर शोध अध्ययन किया। उन्होंने अपने शोध में पाया कि सोशल मीडिया का युवाओं के राजनीतिक व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

राजनीतिक नेताओं और दलों से सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ने वाले युवाओं में राजनीतिक सहभागिता, जन आंदोलनों में भागीदारी तथा राजनीतिक मुद्दों के प्रति रुचि अधिक पाई गई।

इन चारों अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया समकालीन युवाओं की राजनीतिक चेतना, राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है। साथ ही, इसके प्रभावों का स्वरूप सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों आयामों से युक्त है, जिसके कारण इस विषय पर और अधिक क्षेत्रीय एवं अनुभवजन्य अध्ययन की आवश्यकता बनी हुई है।

शोध के उद्देश्य

- युवाओं द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग की प्रकृति एवं स्तर का अध्ययन करना।
- युवाओं की राजनीतिक जागरूकता के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका का अध्ययन करना।
- सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं की राजनीतिक सहभागिता एवं राजनीतिक अभिव्यक्ति पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करना।
- युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों का मूल्यांकन करना।

परिकल्पनाएँ

- H_{01}: युवाओं की राजनीतिक जागरूकता के निर्माण पर सोशल मीडिया का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।
- H_{02}: सोशल मीडिया के उपयोग और युवाओं की राजनीतिक सहभागिता के मध्य कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
- H_{03}: सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं राजनीतिक विचार निर्माण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करता है।
- H_{04}: युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों के मध्य कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

शोध प्रविधि

1. शोध की प्रकृति

प्रस्तुत शोध सामाजिक विज्ञान एवं राजनीति विज्ञान के अंतर्गत एक वर्णनात्मक (Descriptive) तथा विश्लेषणात्मक (Analytical) प्रकृति का अध्ययन है। इस शोध में युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका, प्रभाव तथा उससे संबंधित विभिन्न आयामों

का अध्ययन किया जाएगा। अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के तथ्यों का उपयोग किया जाएगा।

2. शोध प्रविधि का चयन

प्रस्तुत अध्ययन के लिए सर्वेक्षण (Survey Method) प्रविधि का चयन किया गया है। सर्वेक्षण प्रविधि के माध्यम से युवाओं से प्रत्यक्ष रूप से जानकारी प्राप्त कर सोशल मीडिया के उपयोग, राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता तथा राजनीतिक दृष्टिकोण पर उसके प्रभाव का विश्लेषण किया जाएगा। तथ्यों के संकलन हेतु संरचित प्रश्नावली का उपयोग किया जाएगा।

3. अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन का क्षेत्र मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल नगर होगा। भोपाल एक प्रमुख शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं राजनीतिक केंद्र है, जहाँ विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के युवा निवास करते हैं। साथ ही डिजिटल तकनीकों एवं सोशल मीडिया का उपयोग यहाँ के युवाओं में व्यापक रूप से प्रचलित है। अतः अध्ययन के लिए भोपाल नगर का चयन उपयुक्त माना गया है।

4. उत्तरदाताओं का चयन

प्रस्तुत अध्ययन में भोपाल नगर के युवा विद्यार्थियों को अध्ययन की इकाई के रूप में चयनित किया गया है। अध्ययन के लिए भोपाल स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक शासकीय एवं एक निजी विश्वविद्यालय का चयन किया गया। शासकीय विश्वविद्यालय के रूप में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल तथा निजी विश्वविद्यालय के रूप में भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल का चयन किया गया।

विश्वविद्यालयों के चयन हेतु उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि (Purposive Sampling Method) का उपयोग किया गया। इन विश्वविद्यालयों का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दोनों संस्थान भोपाल नगर के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा यहाँ विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

चयनित विश्वविद्यालयों से उत्तरदाताओं के चयन हेतु सुविधाजनक निदर्शन विधि (Convenience Sampling Method) का उपयोग किया गया। अध्ययन में केवल 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया जो सोशल मीडिया का नियमित उपयोग करते हैं।

अध्ययन में कुल 300 उत्तरदाताओं को सम्मिलित किया गया, जिनमें दोनों विश्वविद्यालयों से समान संख्या में विद्यार्थियों का चयन किया गया।

अध्ययन हेतु चयनित विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय का प्रकार	विश्वविद्यालय का नाम	चयन विधि
1.	शासकीय विश्वविद्यालय	बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल	उद्देश्यपूर्ण निदर्शन
2.	निजी विश्वविद्यालय	भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल	उद्देश्यपूर्ण निदर्शन

विश्वविद्यालयवार उत्तरदाताओं का वितरण

क्र.	विश्वविद्यालय का नाम	उत्तरदाताओं की संख्या
1.	बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल	150
2.	भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल	150
कुल		300

5. चरों का वर्गीकरण

क्र.	चर का प्रकार	चर
1.	स्वतंत्र चर (Independent Variable)	सोशल मीडिया का उपयोग
2.	आश्रित चर (Dependent Variable)	युवाओं की राजनीतिक चेतना (राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक अभिरुचि, राजनीतिक सहभागिता एवं राजनीतिक अभिव्यक्ति)
3.	नियंत्रित चर (Control Variables)	आयु, लिंग, शैक्षणिक योग्यता, व्यवसाय तथा सोशल मीडिया उपयोग की अवधि

परिणाम एवं विश्लेषण

1-राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने हेतु सर्वाधिक उपयोग किया जाने वाला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म	आवृत्ति	प्रतिशत
फेसबुक	48	16.0
इंस्टाग्राम	96	32.0
यूट्यूब	72	24.0
एक्स (Twitter)	30	10.0
व्हाट्सएप	45	15.0
अन्य	9	3.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: तालिका से ज्ञात होता है कि 32 प्रतिशत उत्तरदाता राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इंस्टाग्राम का सर्वाधिक उपयोग करते हैं। इसके पश्चात यूट्यूब (24 प्रतिशत) तथा फेसबुक (16 प्रतिशत) का स्थान है। इससे स्पष्ट होता है कि दृश्य एवं वीडियो आधारित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म युवाओं में अधिक लोकप्रिय हैं।

2-क्या आप सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक समाचार एवं घटनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं?

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत
हाँ, नियमित रूप से	141	47.0
कभी-कभी	96	32.0
बहुत कम	42	14.0
नहीं	21	7.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 47 प्रतिशत उत्तरदाता नियमित रूप से तथा 32 प्रतिशत उत्तरदाता कभी-कभी सोशल मीडिया से राजनीतिक समाचार प्राप्त करते हैं। इससे स्पष्ट है कि सोशल मीडिया राजनीतिक सूचना का प्रमुख स्रोत बन चुका है।

3-सोशल मीडिया ने आपकी राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में सहायता की है

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत
पूर्णतः सहमत	93	31.0
सहमत	126	42.0
अनिश्चित	45	15.0
असहमत	27	9.0
पूर्णतः असहमत	9	3.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 73 प्रतिशत उत्तरदाता इस कथन से सहमत अथवा पूर्णतः सहमत हैं कि सोशल मीडिया ने उनकी राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में सहायता की है।

4-सोशल मीडिया के कारण राजनीतिक मुद्दों की समझ में वृद्धि हुई है

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत
पूर्णतः सहमत	84	28.0
सहमत	132	44.0

अनिश्चित	42	14.0
असहमत	30	10.0
पूर्णतः असहमत	12	4.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 72 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मत है कि सोशल मीडिया के कारण राजनीतिक मुद्दों को समझने की उनकी क्षमता में वृद्धि हुई है।

5-सोशल मीडिया ने राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया है

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत
पूर्णतः सहमत	72	24.0
सहमत	120	40.0
अनिश्चित	54	18.0
असहमत	39	13.0
पूर्णतः असहमत	15	5.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 64 प्रतिशत उत्तरदाता मानते हैं कि सोशल मीडिया ने उन्हें राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया है।

6-सोशल मीडिया का युवाओं के राजनीतिक विचार निर्माण पर प्रभाव

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत
बहुत अधिक	69	23.0
अधिक	117	39.0
सामान्य	66	22.0
कम	33	11.0
बिल्कुल नहीं	15	5.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि सोशल मीडिया उनके राजनीतिक विचारों के निर्माण को अधिक या बहुत अधिक प्रभावित करता है।

मतदान अथवा राजनीतिक निर्णयों पर सोशल मीडिया का प्रभाव

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत

बहुत अधिक	51	17.0
अधिक	105	35.0
सामान्य	78	26.0
कम	45	15.0
बिल्कुल नहीं	21	7.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 52 प्रतिशत उत्तरदाता स्वीकार करते हैं कि मतदान अथवा राजनीतिक निर्णयों पर सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक या बहुत अधिक है।

युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया की समग्र भूमिका

प्रतिक्रिया	आवृत्ति	प्रतिशत
अत्यंत महत्वपूर्ण	102	34.0
महत्वपूर्ण	120	40.0
सामान्य	48	16.0
कम महत्वपूर्ण	21	7.0
महत्वहीन	9	3.0
कुल	300	100.0

विश्लेषण: 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण अथवा अत्यंत महत्वपूर्ण माना है। इससे स्पष्ट होता है कि समकालीन युवा वर्ग की राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक दृष्टिकोण के निर्माण में सोशल मीडिया एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में कार्य कर रहा है।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

परिकल्पना 1- H_{01}: युवाओं की राजनीतिक जागरूकता के निर्माण पर सोशल मीडिया का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

सोशल मीडिया उपयोग एवं राजनीतिक जागरूकता के मध्य संबंध का Chi-Square परीक्षण

विवरण मान

χ^2 (Chi-Square) गणना मान	18.42
स्वतंत्रता की डिग्री (df)	4
सारणी मान (0.05 स्तर)	9.488

निर्णय	H_0 अस्वीकृत

व्याख्या: गणना किया गया χ^2 मान (18.42) सारणी मान (9.488) से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया का युवाओं की राजनीतिक जागरूकता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना 2-H_{02}: सोशल मीडिया के उपयोग और युवाओं की राजनीतिक सहभागिता के मध्य कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

सोशल मीडिया उपयोग एवं राजनीतिक सहभागिता के मध्य संबंध का Chi-Square परीक्षण

विवरण	मान
χ^2 (Chi-Square) गणना मान	15.67
स्वतंत्रता की डिग्री (df)	4
सारणी मान (0.05 स्तर)	9.488
निर्णय	H_0 अस्वीकृत

व्याख्या: गणना किया गया χ^2 मान (15.67) सारणी मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट है कि सोशल मीडिया उपयोग एवं राजनीतिक सहभागिता के मध्य महत्वपूर्ण संबंध पाया गया।

परिकल्पना 3-H_{03}: सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं राजनीतिक विचार निर्माण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करता है।

सोशल मीडिया एवं राजनीतिक विचार निर्माण के मध्य संबंध का Chi-Square परीक्षण

विवरण	मान
χ^2 (Chi-Square) गणना मान	21.83
स्वतंत्रता की डिग्री (df)	4
सारणी मान (0.05 स्तर)	9.488
निर्णय	H_0 अस्वीकृत

व्याख्या: प्राप्त χ^2 मान (21.83) सारणी मान से अधिक है। इसलिए शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं राजनीतिक विचार निर्माण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है।

परिकल्पना 4-H_{04}: युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों के मध्य कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

सोशल मीडिया के प्रभावों के संबंध में उत्तरदाताओं की धारणा का Chi-Square परीक्षण

विवरण	मान
χ^2 (Chi-Square) गणना मान	13.95
स्वतंत्रता की डिग्री (df)	4
सारणी मान (0.05 स्तर)	9.488
निर्णय	H_0 अस्वीकृत

व्याख्या: गणना किया गया χ^2 मान (13.95) सारणी मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि उत्तरदाताओं द्वारा सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों में महत्वपूर्ण अंतर अनुभव किया गया है।

चारों परिकल्पनाओं के परीक्षण से प्राप्त परिणामों के आधार पर सभी शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत पाई गईं। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक अभिव्यक्ति तथा राजनीतिक चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन "युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में सोशल मीडिया का प्रभाव" विषय पर आधारित है। अध्ययन के अंतर्गत भोपाल नगर के दो विश्वविद्यालयों के 300 विद्यार्थियों से प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया युवाओं के लिए राजनीतिक सूचना प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। अधिकांश उत्तरदाता राजनीतिक समाचारों, समसामयिक घटनाओं तथा सार्वजनिक मुद्दों की जानकारी प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

अध्ययन से ज्ञात हुआ कि सोशल मीडिया ने युवाओं की राजनीतिक जागरूकता में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तरदाताओं के अनुसार सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें राजनीतिक दलों, नेताओं, सरकारी नीतियों, चुनावी प्रक्रियाओं तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक घटनाओं के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त होती है। इससे उनकी राजनीतिक समझ एवं राजनीतिक चेतना का स्तर विकसित हुआ है।

अध्ययन के परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया ने युवाओं की राजनीतिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया है। राजनीतिक विषयों पर चर्चा, विचारों की अभिव्यक्ति, राजनीतिक अभियानों में भागीदारी तथा विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया

देने के लिए सोशल मीडिया एक प्रभावी मंच के रूप में उभरा है। इससे युवाओं में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति रुचि एवं सहभागिता की भावना विकसित हुई है।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि सोशल मीडिया युवाओं के राजनीतिक विचारों एवं दृष्टिकोण के निर्माण को प्रभावित करता है। विभिन्न प्रकार की राजनीतिक सूचनाओं, विचारधाराओं तथा चर्चाओं के संपर्क में आने से युवाओं के राजनीतिक निर्णयों एवं मतों पर प्रभाव पड़ता है। हालांकि, कुछ उत्तरदाताओं ने यह भी स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर उपलब्ध भ्रामक सूचनाएँ, फेक न्यूज तथा पक्षपातपूर्ण सामग्री राजनीतिक समझ को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं।

परिकल्पनाओं के परीक्षण से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सोशल मीडिया और राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता तथा राजनीतिक विचार निर्माण के मध्य महत्वपूर्ण संबंध विद्यमान है। अध्ययन की सभी शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत पाई गईं, जिससे यह सिद्ध होता है कि सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक चेतना के निर्माण में एक प्रभावशाली कारक के रूप में कार्य करता है।

समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया ने युवाओं के राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यद्यपि इसके सकारात्मक प्रभाव अधिक दिखाई देते हैं, तथापि फेक न्यूज, दुष्प्रचार तथा राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियों के कारण डिजिटल साक्षरता एवं तथ्य-आधारित राजनीतिक शिक्षा को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इसलिए लोकतांत्रिक एवं उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के लिए उचित मार्गदर्शन एवं जागरूकता की आवश्यकता है।

सुझाव

- युवाओं में राजनीतिक जागरूकता को बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का रचनात्मक एवं तथ्यपरक उपयोग प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल एवं राजनीतिक साक्षरता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ताकि युवा सही एवं गलत राजनीतिक सूचनाओं में अंतर कर सकें।
- फेक न्यूज एवं भ्रामक राजनीतिक सामग्री की पहचान के संबंध में युवाओं को नियमित रूप से जागरूक किया जाना चाहिए।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विश्वसनीय एवं प्रमाणिक राजनीतिक सूचनाओं के प्रसार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

- युवाओं को राजनीतिक चर्चाओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सकारात्मक एवं जिम्मेदार सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
- राजनीतिक दलों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग पारदर्शी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए।
- सोशल मीडिया के माध्यम से मतदान, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों से संबंधित जागरूकता अभियानों का संचालन किया जाना चाहिए।
- सरकार एवं शैक्षणिक संस्थानों द्वारा युवाओं में डिजिटल नैतिकता एवं जिम्मेदार सोशल मीडिया उपयोग की भावना विकसित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.अरोड़ा, एन. डी. (2018). राजनीति विज्ञान. नई दिल्ली: मैकग्रा हिल एजुकेशन।

2.अवस्थी, ए. एवं अवस्थी, महेश (2019). भारतीय शासन एवं राजनीति. आगरा: लक्ष्मी नारायण अग्रवाल।

3.सिंह, आर. एन. (2020). आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत. नई दिल्ली: पियर्सन एजुकेशन।

4.हेयवुड, एंड्रयू (2017). Political Science (4th Edition). London: Palgrave Macmillan.

5.Castells, Manuel (2015). Networks of Outrage and Hope: Social Movements in the Internet Age. Cambridge: Polity Press.

6-Shirky, Clay (2011). The Political Power of Social Media. New York: Foreign Affairs Publications.

7-Boulianne, Shelley (2020). "Twenty Years of Digital Media Effects on Civic and Political Participation." Communication Research, 47(7), pp. 947-966.

8.Theocharis, Yannis & Quintelier, Ellen (2016). "Stimulating Citizenship or Expanding Entertainment?" Information, Communication & Society, 19(6), pp. 817-836.

9-Gil de Zúñiga, Homero et al. (2017). "Social Media Use for News and Individuals' Social Capital." Journal of Computer-Mediated Communication, 22(3), pp. 123-141.

10-Das, S. (2026). "Digital Democracy in India: Reconfiguring Political Participation in the Age of Social Media." Journal of Social Sciences, 14(2), pp. 45-58.